

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 148] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, म. व. 16, 1972/व. लगन 26, 1893

No. 148] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 16, 1972 PHALGUNA 26, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## MINISTRY OF STEEL & MINES

(Department of Steel)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 16th March 1972

**S.O. 195(E)/ESS.COMM/IRON AND STEEL.**—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Iron and Steel (Control) Order, 1956, namely:—

1. (1) This order may be called the Iron and Steel (Control) Amendment Order, 1972.
- (2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.
2. In the Iron and Steel (Control) Order, 1956,—

(i) after clause 11, the following clause shall be inserted, namely:—

“11 A. Power to suspend supplies under Part-II—

Notwithstanding anything contained in this Part or in the conditions governing the acquisition or disposal of any categories of Iron or Steel, the Controller may order suspension of supplies of Iron or Steel forthwith to any person against whom there exists a credible information, or a reasonable suspicion, of the contravention, of any conditions laid down under this Order or of any directions issued thereunder.

Note. The provisions of this clause shall be invoked only as an interim action in order to forestall further mis-utilisation of iron or steel, and shall be followed up with further action, regard being had to the circumstances of the case.”;

(ii) in clause 19,—

(a) the words and figure “in accordance with the provisions of clause 18” shall be deleted;

(b) the words “or otherwise than for the purpose mentioned by him in the application for such acquisition” shall be inserted at the end;

(iii) after clause 23, the following Clause shall be inserted, namely:—

“23A. Power to suspend supplies under Part-III—

If the Controller is of opinion that any person has utilised any category of scrap otherwise than for the purpose for which the scrap had been acquired by him, the Controller may suspend further supplies of scrap to such person and take against him such further action as deemed fit in the circumstances of the case.”.

[No. F.S.C(1)-1(18)/71.]

M. PRASAD, Jt. Secy.

### इस्पात और लोहा संभाल

(इस्पात विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 मार्च, 1972

क्र० प्रा० 195(अ)/आवश्यक वस्तुएं/लोहा तथा इस्पात.—लोहा और इस्पात आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार लोहा और इस्पात (नियंत्रण) आदेश, 1956 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित आदेश बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इस आदेश का नाम लोहा और इस्पात (नियंत्रण) संशोधन आदेश, 1972 होगा।

(2) यह सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होगा।

2. लोहा और इस्पात (नियंत्रण) आदेश, 1956 में,—

(i) खण्ड 11 के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड स्थापित किया जायगा, अर्थात्:—

“11 (क) भग II क अधीन सप्लाई निलम्बित करने का अधिकार.—

इस भाग में अथवा किसी प्रकार का लोहा अथवा इस्पात लेने अथवा बेचने सम्बन्धी शर्तों में किसी बात के होते हुए भी, लोहा और इस्पात नियंत्रक ऐसे किसी व्यक्ति को, जिसके विरुद्ध इस आदेश के अधीन की गई व्यवस्थाओं में से किसी व्यवस्था अथवा उनके अधीन जारी किए गए निदेशों में से किसी निदेश का अतिक्रमण करने के बारे में विश्वसनीय जानकारी होते अथवा कोई युक्ति संगत संदेह होने की दशा में तत्काल लोहा अथवा इस्पात की सप्लाई निलम्बित करने का आदेश दे सकता है।

नोट:—इस खण्ड के उपबन्धों का लोहा अथवा इस्पात के और अधिक दुरुपयोग का पूर्वानुमान करके उसे रोकने के लिए केवल अन्तरिम कार्यवाही करने के लिए ही इस्तेमाल किया जाएगा और मामले को दृष्टिगत रखते हुए आगे कार्यवाही की जाएगी।”

(i) खण्ड 19 में,—

(क) “खण्ड 18 के उपबन्धों के अनुसार” शब्द और अंक निकाल दिए जायेंगे;

(ख) — “अथवा उसके द्वारा ऐसे अर्जन के लिए आवेदन पत्र में उल्लिखित उद्देश्य से अन्यथा” शब्द अन्त में जोड़ दिए जायेंगे ।

(iii) खण्ड 23 के पश्चात् निम्नलिखित खंड जोड़ दिया जाएगा, अर्थात् :—

“23 (क) भाग III के अधीन सप्लाइ निश्चित करने का अधिकार.—यदि नियंत्रक की राय में किसी व्यक्ति ने किसी प्रकार के स्ट्रैप का उस काम से जिसके लिए उसने स्ट्रैप लिया था भिन्न किसी काम के लिए उपयोग किया है, तो नियंत्रक ऐसे व्यक्ति को स्ट्रैप की और सप्लाइ निलम्बित कर सकता है और मामले की स्थिति को देखते हुए उसके विरुद्ध ऐसी कार्यवाही, जिसे वह उचित समझे कर सकता है ।”

[म० मि० एस० सी० (1)-1(18)/71]

म० प्रसाद, संयुक्त सचिव ।

